an>

Title: Need to make river Ami in Uttar Pradesh pollution free.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): देश में पवित्र नदी गंगा का सफाई अभियान शुरू हो चुका है। गंगा विशेÂाकर उत्तर प्रदेश में ज्यादा औद्योगिक कचरा गिरने के कारण् सबसे अधिक प्रदूÂि◌ात है। उसमें छोटी-छोटी नदियों के द्वारा औद्योगिक कचरे का प्रमुख योगदान है। उत्तर प्रदेश के जनपद संत कबीर नगर में बहने वाली "आमी नदी" जहाँ संत कबीर का निर्माण स्थल भी है, उसके समीप स्थल जनपदों में स्थित औद्योगिक रूदौली बस्ती चीनी मिल द्वारा बेतहाशा कचरा गिरने से आज उसकी स्थिति बदतर हो गई है। मनुÂय क्या जानवरों की भी उसका पानी पीने से मौत हो जाती है। पूर्व में भी यह विÂाय आया था किन्तु सरकार के पर्यावरण एवं प्रदूÂाण विभाग के अधिकारियों द्वारा मात्र औपचारिका पूर्ण करने के कारण यह नदी प्रदूÂाण मुक्त नहीं हो पा रही है। यह आमी नदी राप्ती के माध्यम से बलिया में गंगा से मिलती है। आमी जैसी नदियों को जब तक प्रदूÂाण मुक्त नहीं किया जायेगा तब तक गंगा प्रदूÂाण मुक्त नहीं हो पाएगी अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि औद्योगिक कचरा नदियों में गिराने वाली फैक्टियों पर कठोरतापूर्ण कार्रवाई की जाए जिससे देश की नदियाँ प्रदूÂाण मुक्त हो सकें ताकि उनके किनारे बसे लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके और सरकार के " अविरल गंगा निर्मला गंगा " के प्रयास को पूर्ण किया जा सके।